कामरूप दर्पण

मारवाड़ी सम्मेलन
कामरूप शाखा
का मुखपत्र

the closet
clothes that matters
Rajat Shanti Plaza, Block C, BRP Road
Kumarpara, Guwahati - 781009
Mobile : 97073-12233
Student, Teacher, Doctor, Nurse, Hospital OT & Corporate Staff Customised Uniform.

Vol. : III | Issue : 1 | Edition : 9 | August'2021

:: सम्पादक ::
पवन कुमार जाजोदिया

:: सह सम्पादक ::
रतन कुमार अग्रवाला

:: पृष्ठ सज्ञा ::
शामेश्वर शर्मा (विश्वकर्मा)
जयन्त सेनगुप्ता

:: मुद्रक ::
वसुंधरा एसोसिएट्स
गुवाहाटी

:: लेखन एवं अलंकन ::
शांति ऑफसेट
गुवाहाटी

आपके कोई सुझाव हो तो निम्न ई-मेल के माध्यम से सूचित कर सकते हैं :
kamrupdarpan@gmail.com

Society Regd No. :
RS/KAM (M) 263/Q/264 of 2017-18
e-Mail :
sammelankamrupsakha@gmail.com
Website :
www.sammelankamrupsakha.com

अध्यक्षीय

सम्मानित पाठक

75वें स्वाधीनता दिवस पर हार्दिक शुभकामनाएं। हम अगर अपने सामान्य जीवन में स्वाधीन यानी स्वयं के अधीन (अनुशासित) हो जाएं तो भारत की बहुत सारी समस्याओं का समाधान हो जाये। जिस अनुशासन की अपेक्षा हम दूसरों से रखते हैं उसकी अनुपालना हम स्वयं नहीं करते अतः सहीं मायनो में हम अभी स्वाधीन नहीं हुए हैं, इसलिए शासन-प्रशासन को हमें अनुशासित रहने के लिए बाध्य करना पड़ता है।

टोक्यो ओलंपिक 2020 में पदकों का सफर पूर्वोत्तर की बेटी मीराबाई चानू के भारोत्तोलन में रजत पदक से आरंभ होकर असम के बेटी लवलीना बरगोहाईं के मुक्केबाजी में कांस्य पदक, आंध्र प्रदेश के बेटी पी.वी. सिंधु के बैडमिंटन में कांस्य पदक, पुरुष हॉकी में कांस्य पदक, कुश्ती में रवि दहिया को रजत पदक एवं बजरंग पुनिया के कांस्य पदक से होते हुए नीरज चोपड़ा के स्वर्ण पदक के साथ समाप्त हुआ। महिला हॉकी टीम और गोल्फ खिलाड़ी अदिति अशोक भले ही पदक से चूक गईं हों, परंतु देशवासियों के दिल उन्होंने अवश्य जीत लिए हैं। ओलंपिक में भारत का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन रहा। मारवाड़ी सम्मेलन, कामरूप शाखा की तरफ से सभी विजेताओं का अभिनंदन व अन्य खिलाड़ियों को उनके उज्जवल भविष्य के लिए शुभकामनाएं।

अभी कुछ दिन पहले एक व्हाट्सएप्प ग्रुप में हमारे समाज की लड़कियों की शिक्षा और विवाह से पहले नौकरी के कारण होने वाले प्रभाव पर गहन चर्चा हुई थी। चर्चा में कुछ लोगों ने विवाह में आ रही अड़चनों को लड़कियों की शिक्षा को जिम्मेदार माना तो कइयों ने लड़कों की शिक्षा का स्तर बेहतर करने का सुझाव दिया। विवाह के बाद लड़की की शिक्षा जारी रखने का सुझाव भी आया। जो भी हो लेकिन विवाह होना जीवन की सफलता का पैमाना नहीं हो सकता और न ही किसी का विवाह न होना जीवन की असफलता माना जा सकता है। हममें से हर कोई अपने घर की तीन पीढ़ियों की महिलाओं की जीवन शैली का आंकलन करेगा तो परिवर्तन की बयार समझ में आएगी। आज के युग में कोई पुरुष या महिला यह तय करें कि कोई अन्य महिला क्या करे और क्या न करे, तो परेशानियां बढ़ेंगी। आज तालमेल के साथ परिवार चलाने की प्रवृति रखनी होगी और परिवारों में निर्णय लेने की प्रक्रिया का विकेंद्रीकरण करना होगा। मेरे मित्र और प्रांत के पूर्व महामंत्री श्री प्रमोद तिवाड़ी का तलाक को लेकर मानना है कि दाग अच्छे हैं यानी पहले लड़कियां अपने पीहर वालों के समर्थन के आभाव में और समाज में बदनामी के भय से पूरा जीवन नारकीय यातनाओं या अपनी तमाम इच्छाओं को मारकर गुजार देती थीं। अब लड़कियों को पीहर का समर्थन भी मिलने लगा है और लड़कियां स्वावलम्बी भी हो चली हैं तो विवाहोपरांत लड़कियों की मृत्यु दर में बहुत कमी आई है। मुझे लगता है इस बदलाव के साथ आत्मसात कर हमें लड़कियों द्वारा स्वीकार्य समाधान ढूंढने होंगे।

हमारा समाज व्यापार से जड़ित है, अतः कामरूप शाखा जन सेवा के साथ-साथ व्यापार की समस्याओं पर भी अपना ध्यान केंद्रित कर रही है। असम के बजट 2021 के लिए कामरूप शाखा ने अपने सुझाव भेजे, ट्रेड लाइसेंस नवीनीकरण के लिए दो दिवसीय कैम्प आयोजित किए, जहां 350 से अधिक लोगों ने अपने ट्रेड लाइसेंस रिन्यूअल कराए। आगे भी ऐसे प्रयास जारी रहेंगे।

हमारे समाज के बहुत सारे लोगों का नाम राज्य की वोटर लिस्ट में शामिल नहीं है अथवा स्पेलिंग गलत है या पता गलत है। कामरूप शाखा ने इसका संज्ञान लेते हुए वोटर लिस्ट के शुद्धिकरण और नए नाम शामिल करने का अभियान चलाएगी। इस प्रकल्प के लिए कोई कैंप नहीं लगाया जाएगा, अपितु निर्धारित सदस्यों के कार्यालय में स्थायीरूप से प्रकल्प चलाया जाएगा और उचित परामर्श दिया जाएगा। यह कार्यक्रम सभी समाज के लोगों के लिए होगा, जिसका सर्वाधिक लाभ हमारे समाज को होगा।

विनोद कुमार लोहिया
शाखाध्यक्ष

सम्पादकीय

बंधुवर,

नमस्कार !

शाखा के मुखपत्र **कामरूप दर्पण** को और अधिक रोचक बनाने के लिए प्रयास किया जा रहा है। अब मुझे भी संपादक मंडली से जुड़ने का मौका मिला है, जिसके लिए मैं शाखा नेतृत्व का आभारी हूं।

संगठन के प्रति सदस्यों की भावनाओं के अनुरूप पठनीय एवं संग्रहणीय लेख, समाचार, शाखा गतिविधियां यदि प्रकाशित कर पत्रिका को अति उत्तम बनाने की कोशिश कर रहे हैं। साथ ही कार्यकर्ताओं के विचारों के आधार पर स्तंभ शुरू करने से हमें प्रसन्नता होगी। आप सभी पाठकों से अनुरोध है कि प्रकाशन हेतु सामग्री सहर्ष आमंत्रित है। पाठकों के विचार एवं सुझाव से हमें नई प्रेरणा मिलती रहेगी। हम आपसे सहयोग की अपेक्षा करते हैं।

हमारा भरसक प्रयास रहा है कि **कामरूप दर्पण** के इस अंक में कोई त्रुटि ना रहे, परंतु भूल मानव का स्वभाव है, अत: कोई त्रुटि रह गई हो तो हमें खेद है।

रतन कुमार अग्रवाला
सह-सम्पादक

नमस्कार मित्रों,.

पिछले तीन सत्रों से आप सभी सदस्यों ने असफलताओं को दूर करते हुए अपने अथक प्रयास से शाखा को पूर्वोत्तर में एक पहचान दिलाई। आपकी कड़ी मेहनत, संघर्ष, लगन और कठिन प्रयास से शाखा आगे बढ़ रही है। हमने सपना देखा था कि हमारी शाखा पूर्वोत्तर की शाखाओं में एक सर्वोत्तम शाखा बनकर उभरे। शाखा पिछले दो सालों से अपना मुखपत्र **"कामरूप दर्पण"** सफलतापूर्वक प्रकाशित करती आ रही है। हम प्रयासरत हैं कि इसके जरिये हमारी शाखा की गतिविधियां जन-जन तक पहुंचे। इस बार मुखपत्र के सम्पादन का कार्यभार मुझे सौंपा गया। मैं आप सभी सदस्यों से सहयोग की अपेक्षा करता हूं, साथ ही आप सभी को नए सत्र की हार्दिक बधाई देता हूँ।

पिछले छह वर्षों से हमारी अत्याधिक परिश्रम से शाखा ने जो उपलब्धियां हासिल कीं, उससे हमें गर्व की अनुभूति होती है। 'दही जैसा होता है..., मक्खन भी वैसा ही निकलता है', हम सभी यह जानते हैं। आप सभी सदस्यों के सहयोग से ही शाखा को समाज में उचित सम्मान एवं मान्यता मिली है। समाज से ही नेतृत्व निकल कर आता है।

हमारे नवनियुक्त अध्यक्ष श्री विनोद कुमार लोहिया ने अतीत और वर्तमान के समर्थन एवं अपने पिछले अनुभवों से सत्र 2021-23 में अनुभवी सदस्यों का चयन कर अपनी टीम का गठन किया एवं उनके समर्थन से अपने कार्यकाल को सफलतापूर्वक शुरू करने की कोशिश की। मुझे पूर्ण विश्वास है कि उनके विचारों एवं कार्य योजनाओं को पूरा करने में सदस्य सदैव तत्पर रहेंगे। आप सभी को चतुर्थ सत्र की हार्दिक शुभकामनाएं।

मार्च 2020 से अब तक वास्तव में समय बहुत ही कठिन रहा है। लोगों का कारोबार कम हुआ, बेरोजगारी बढ़ी, बहुत से लोगों ने अपनों को खोया है। कई मायनों में बीते समय को देखते हुए, अभी जो हमारे पास है उसके लिए हमें स्वयं को भाग्यशाली समझना चाहिए। आइए, ऐसे चुनौतीपूर्ण माहौल में आने वाले समय को श्रेष्ठ बनाएं, कुछ मूल्यवान सबक सीखें और वर्तमान परिस्थितियों पर विचार कर समाज को बेहतर बनाने में सहायक बनें। ईश्वर से हम प्रार्थना करते हैं कि आने वाला समय हम सभी के लिए सुख-समृद्धि से भरपूर रहे।

कामरूप दर्पण को भविष्य में और अधिक लोकप्रिय व सफल बनाने के लिए कुछ नये स्तंभ जोड़ने का प्रयास किया है। नवीनतम प्रवृत्तियों को शामिल करते हुए इस अंक में दो नए कॉलम जोड़ रहे हैं, पहला **मारवाड़ी समाज आपकी नजर में** दूसरा **सदस्यों के विचार**। आशा है कि आप सभी को हमारा ये प्रयास पसंद आएगा। धन्यवाद!

आपका साथी
पवन कुमार जाजोदिया
सम्पादक

कोरोना टीकाकरण शिविर में लोगों को उपलब्ध कराई वैक्सीन

पर्यावरण दिवस के साथ हुआ समापन

मारवाड़ी सम्मेलन, कामरूप शाखा और अग्रवाल युवा परिषद, गुवाहाटी के संयुक्त तत्वावधान में 16 मई 2021 से 5 जून 2021 तक कोरोना टीकाकरण अभियान चलाया गया। असम सरकार के सहयोग से इस कोरोना टीकाकरण अभियान के लिए नारायण नगर स्थित हरियाणा गेस्ट हाउस में एक शिविर लगाया गया। इस शिविर के पहले दिन 200 लोगों को कोरोना की वैक्सीन दी गई। यह शिविर रोजाना सुबह 9.30 बजे से दोपहर 1.30 बजे तक चला। इस दौरान शिविर में मौजूद लोगों ने कोरोना महामारी के मद्देनजर सरकार द्वारा जारी दिशा-निर्देशों एवं प्रोटोकॉल का पालन किया गया। वैक्सीनेशन स्थल पर रजिस्ट्रेशन काउंटर के अलावा वैक्सीनेशन रूम, महिलाओं और पुरुषों के लिए अलग-अलग ऑब्जरवेशन रूम की व्यवस्था की गई थी। वैक्सीनेशन के बाद किसी व्यक्ति की तबियत बिगड़ने पर व आपातकालीन सेवा के लिए एंबुलेंस की भी व्यवस्था की गई थी।

शिविर में एक वक्त में 45 लोगों के बैठने की व्यवस्था की गई ताकि कोरोना प्रोटोकॉल के तहत शारीरिक दूरी का पालन किया जा सके। वैक्सीन लेने वालों के अलावा स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों ने भी शाखा की व्यवस्था की भूरि-भूरि प्रशंसा की। यह वैक्सीनेशन कैंप 18+ एवं 45+ वर्ष उम्र के लोगों के लिए आयोजित की गई। वैक्सीनेशन कैंप में दो नर्सों की व्यवस्था की गयी थी। वहां उपस्थित सभी वालंटियर्स एवं नर्सों के भोजन की व्यवस्था अन्न सेवा समिति द्वारा की गई। शिविर में 'पहले आयो पहले पायो' के आधार पर लोगों को टीके लगाए गए। दोनों संस्थाओं के पदाधिकारी और कार्यकर्ता समर्पित भाव से दायित्व बोध के साथ अपनी सेवाएं प्रदान की। 17 दिनों तक चले इस कोविड-19 टीकाकरण शिविर में कुल 3134 लोगों को कोरोना के टीके लगाए गए।

इस कोरोना टीकाकरण शिविर का समापन 5 जून को विश्व पर्यावरण दिवस के साथ हुआ। अंतिम दिन 240 लोगों को कोविड-19 के टीके लगाए गए। इस दिन पर्यावरण दिवस के उपलक्ष्य में टीका लगाने के लिए आने वाले लोगों को एक पौधा उपहार स्वरूप प्रदान किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के निदेशक श्री मुनींद्र नाथ नगाटे, विशिष्ट अतिथि के रूप में कामरूप मेट्रो के डीआईओ डॉ. बी. के. दास उपस्थित थे। दोनों अतिथियों ने शिविर का निरीक्षण किया और टीकाकरण शिविर की व्यवस्था पर संतोष जताया।

मारवाड़ी सम्मेलन की कामरूप शाखा के अध्यक्ष श्री निरंजन कुमार सिकरिया, कार्यकारी अध्यक्ष श्री विनोद कुमार लोहिया, सचिव श्री दिनेश गुप्ता, कोषाध्यक्ष श्री दीपक जैन, श्री संजय खेतान, श्री रंजय जैन तथा अयुप के अध्यक्ष श्री अनुज चौधरी, सचिव श्री विजेता चौधरी, कोषाध्यक्ष श्री विवेक

मुरारका के अलावा श्री प्रतीक खेतान, श्री अमित अग्रवाल, श्री गौतम अग्रवाल, श्री कुणाल जाजोदिया, श्री प्रतीक जालान, श्री रवि सुरेका, श्री आयुष गुप्ता के अलावा पूर्व अध्यक्ष श्री रितेश अग्रवाल और श्री अरुण चौधरी उपस्थित थे। इस अवसर पर इन सभी कार्यकर्ताओं को सम्मानित किया गया। कामरूप शाखा ने कोरोना टीकाकरण शिविर के आयोजन के लिए हरियाणा गेस्ट हाउस उपलब्ध कराने के लिए हरियाणा चैरिटेबल ट्रस्ट के सचिव श्री मुकेश जिंदल और कोषाध्यक्ष श्री सुरेंद्र गोयल का आभार प्रकट किया।

शाखा जरूरतमंदों को उपलब्ध करा रही ऑक्सीजन सेवा

सामाजिक कार्यों में जुटी मारवाड़ी सम्मेलन, कामरूप शाखा ने कोरोना महामारी से जूझ रहे मरीजों को ऑक्सीजन सेवा उपलब्ध कराने का सराहनीय प्रयास कर रही है। शाखा यह कार्य अग्रवाल युवा परिषद, गुवाहाटी के साथ कर रही है। मालूम हो कि इस सेवा का शुभारंभ 6 मई

2021 को किया गया। इस सेवा के अंतर्गत कुल 18 ऑक्सीजन सिलिंडर की व्यवस्था की गई है, जो कोरोना व अन्य स्वास संबंधी बीमारी से पीड़ित मरीजों को उपलब्ध कराई जा रही है।

इस प्रकल्प के संयोजक सीए. कुणाल जाजोदिया हैं। इस सेवा को प्राप्त करने के लिए जरूरतमंद लोग कामरूप शाखा के अध्यक्ष श्री विनोद कुमार लोहिया, निवर्तमान अध्यक्ष श्री निरंजन सिकरिया, सचिव श्री दिनेश गुप्ता से अथवा अग्रवाल युवा परिषद, गुवाहाटी के अध्यक्ष अनुज चौधरी, सचिव श्रीमती विनीता चौधरी और कोषाध्यक्ष सीए. विवेक मुरारका से संपर्क कर सकते हैं। इस सेवा का लाभ उठाने के लिए कुछ नियम व शर्तें निर्धारित की गई है, जिनकी जानकारी उपरोक्त वर्णित किसी भी लोगों से प्राप्त की जा सकती है।

मालूम हो कि दोनों संस्थाओं ने अपने सदस्यों के आर्थिक सहयोग से इस सेवा की व्यवस्था की है, जिसके लिए दोनों संस्थाओं ने दानदाताओं के प्रति आभार व्यक्त किया है। सिलिंडर प्राप्ति के लिए श्री दिनेश गुप्ता (9435019174), श्री अनुज चौधरी (9864095167), श्री कुणाल जाजोदिया (9864753748) से संपर्क कर सकते हैं।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया

हरियाणा चैरिटेबल ट्रस्ट और महेश योग समिति के सहयोग से मारवाड़ी सम्मेलन, कामरूप शाखा ने 21 जून 2021 को स्थानीय हरियाणा भवन में सातवां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया। कोरोना महामारी के मद्देनजर यह कार्यक्रम जूम एप के माध्यम से ऑनलाइन आयोजित किया। शाखा के सदस्यों ने ऑनलाइन इस योग शिविर से जुड़कर योगाभ्यास किया। इस कार्यक्रम के संयोजक श्री संजय खेतान थे तथा योग शिक्षक के रूप में श्री शंकर बिल, श्री मदनमोहन मल्ल व श्रीमती अनिता अग्रवाल ने अपना योगदान दिया।

महेश योग समिति के प्रशिक्षकों श्री मदन मल्ल, श्री शंकर बील, श्रीमती अनीता अग्रवाल, श्रीमती सुनीता वर्मा, हरियाणा भवन के कार्यकारी अध्यक्ष श्री सुरेंद्र गोयल सहित शाखा के संस्थापक अध्यक्ष श्री सम्पत मिश्र, पूर्व अध्यक्ष श्री पवन जाजोदिया, निवर्तमान अध्यक्ष श्री निरंजन सिकरिया, अध्यक्ष श्री विनोद कुमार लोहिया, सचिव श्री दिनेश गुप्ता, सह सचिव श्री दीपक जैन, कोषाध्यक्ष श्री पीयूष बिरमिवाल तथा कार्यक्रम के संयोजक श्री संजय खेतान ने योगाभ्यास किया। वहीं लगभग चालीस से अधिक लोगों ने जूम एप के माध्यम से योगाभ्यास में भाग लिया। उपस्थित प्रशिक्षकों का फुलाम गोमोछा से अभिनंदन किया गया। इस मौके पर प्रशिक्षक श्री मदन मल्ल ने अपने संबोधन में शाखा की प्रशंसा की। कार्यक्रम के अंत में शाखा सचिव श्री दिनेश गुप्ता ने धन्यवाद ज्ञापन किया। मालूम हो कि यह शाखा का नियमित कार्यक्रम है, जो 21 जून 2017 से चल रहा है। कोरोना महामारी के कारण इस कार्यक्रम में व्यवधान हुआ है, लेकिन स्थिति सामान्य होने पर इसे पुनः बहाल किया जाएगा।

हार्दिक अभिनंदन

➤ अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन की कार्यकारिणी में निवर्तमान प्रांतीय अध्यक्ष श्री मधुसुदन सिकरिया को राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य के रूप में शामिल किए जाने पर मारवाड़ी सम्मेलन, कामरूप शाखा उनका हार्दिक अभिनंदन करती है।

➤ मारवाड़ी सम्मेलन, गुवाहाटी शाखा के तत्वावधान में पिछले तीन महीने से असम का विशालतम कोरोना टीकाकरण केंद्र चल रहा है। अब तक 25,000 से भी अधिक लोगों को वैक्सीन के डोज जा चुके हैं। गुवाहाटी शाखा के सभी पदाधिकारियों को कामरूप शाखा की तरफ से हार्दिक अभिनंदन।

उपलब्धि

विजया अग्रवाल

गोलाघाट की विजया अग्रवाल ने हाल ही में घोषित आप्थल्मोलॉजी की मास्टर्स ऑफ सर्जरी (एमएस) की पोस्ट ग्रेजुएशन की परीक्षा में पूरे असम में दूसरा स्थान हासिल कर सभी को गौरवान्वित किया है। मालूम हो कि डॉ. विजया अग्रवाल असम चिकित्सा महाविद्यालय डिब्रुगढ़ की छात्रा है। वहीं गोलाघाट निवासी स्व. हजारीमल कमला देवी सिंघी की पौत्री तथा संदीप सिंघी व सीमा सिंघी की पुत्री है। डॉ. विजया की इस उपलब्धि पर कामरूप शाखा उन्हें शुभकामनाएं देते हुए उज्वल भविष्य की कामना करती है।

परशिया गिड़िया

लखीमपुर की छात्रा परशिया गिड़िया ने ओलंपिक क्वीज विथ ऑल इंडिया रेडियो के 17वें दिन की प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में जीत हासिल कर समाज का मान बढ़ाया। परशिया लखीमपुर के श्री मदनचंद गिड़िया की सुपौत्री तथा श्री जीतेंद्र-बिंदू गिड़िया की सुपुत्री है। लखीमपुर शाखा के सदस्य श्री छत्तर सिंह गिड़िया ने बताया कि परशिया की इस सफलता के बाद ऑल इंडिया रेडियो ने अपने स्पोर्ट्स स्कैन कार्यक्रम में उसका साक्षात्कार लिया था। परशिया की इस उपलब्धि पर मारवाड़ी सम्मेलन, कामरूप शाखा गर्व की अनुभूति करती है और उसकी उज्वल भविष्य की कामना करती है।

डॉ. श्वेता शर्मा

डॉ. श्वेता शर्मा ने प्रोफेसर बी. बी. दाम एवं प्रोफेसर एच. सी. गौतम के मार्गदर्शन में बी. कॉम के चौथे सेमेस्टर की कॉस्ट अकाउंटेंसी की किताब लिखी है, जो गुवाहाटी, डिब्रुगढ़ एवं असम यूनिवर्सिटी में पढ़ाई जाएगी। डॉ. श्वेता गुवाहाटी कॉमर्स कॉलेज में अकाउंटेंसी विभाग में असिस्टेंट प्रोफेसर के रूप में कार्यरत हैं। वे पूर्वोत्तर प्रदेशीय मारवाड़ी सम्मेलन के सलाहकार श्री नागरमल शर्मा एवं पूर्व प्रांतीय कार्यकारिणी सदस्या सरला देवी शर्मा की सुपुत्री तथा कोकराझाड़ निवासी श्री राधेश्याम शर्मा एवं भगवती देवी शर्मा की पुत्रवधु एवं डॉ. नरेंद्र शर्मा की धर्मपत्नी हैं। उनकी यह उपलब्धि हमारे लिए गर्व की बात है। कामरूप शाखा उनका सम्मान करती है।

ट्रेड लाइसेंस नवीनीकरण शिविर आयोजित, व्यापारियों ने की प्रशंसा

मारवाड़ी सम्मेलन, कामरूप शाखा के तत्वावधान में गुवाहाटी म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन (जीएमसी) द्वारा फैंसी बाजार के एस.आर.सी.बी रोड स्थित सांगानेरिया धर्मशाला में महानगर के सभी छह जोन के व्यापारियों के लिए 2 व 3 अगस्त को ट्रेड लाइसेंस नवीनीकरण शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर का शुभारंभ 2 अगस्त 2021 को सुबह 10 बजे हुआ। अपराह्न 3 बजे तक चले इस शिविर में सबसे अधिक साउथ जोन (फैंसी बाजार) के व्यापारियों ने लाभ उठाया। इस दो दिवसीय शिविर में सभी जोनों को मिलाकर 350 से अधिक ट्रेड लाइसेंस नवीनीकरण के फॉर्म जमा लिए गए। जिन्होंने अपने फॉर्म जमा देकर फीस अदा कर दी है, उनको करीब एक सप्ताह बाद संबंधित विभाग से अपने ट्रेड लाइसेंस प्राप्त होंगे।

जीएमसी के अधिकारियों ने अपने फोन नंबर रसीद के पीछे लिखा ताकि व्यापारी लाइसेंस नवीनीकरण से संबंधित जानकारी के लिए उनसे संपर्क कर सकें। इस दौरान शिविर में कोविड प्रोटोकॉल का पूरी तरह से पालन किया गया। शाखा के अध्यक्ष श्री विनोद कुमार लोहिया, निवर्तमान अध्यक्ष श्री निरंजन सिकरिया, संस्थापक अध्यक्ष श्री संपत मिश्र, पूर्व अध्यक्ष श्री पवन कुमार जाजोदिया, उपाध्यक्ष श्री अजीत शर्मा, श्री बाबूलाल नवलखा, श्री सुजीत बखरेड़िया, सचिव श्री दिनेश गुप्ता, संयुक्त सचिव श्री दीपक जैन और श्री राजेश अगरवाला, कोषाध्यक्ष श्री पीयूष बिरमीवाल, संयोजक श्री संजय खेतान, कार्यकारिणी सदस्य श्री विकास बजाज, श्री उमेश माहेश्वरी, सीए. श्री मुकेश अग्रवाल व सदस्य श्री आशीष शर्मा ने कार्यक्रम को सफल बनाने में अपना सराहनीय योगदान दिया। जीएमसी के सेंट्रल जोन के उपायुक्त श्री हेमन तालुकदार के नेतृत्व में सभी जोन के 25 से अधिक अधिकारियों और कर्मचारियों ने अपनी सेवाएं प्रदान की। शिविर के समापन सत्र में सभी का फुलाम गमछा से सम्मान किया गया। इस शिविर के आयोजन के लिए व्यापारियों ने मारवाड़ी सम्मेलन, कामरूप शाखा की भूरि-भूरि प्रशंसा की और अगले वर्ष भी इसी तरह के शिविर का आयोजन करने का आग्रह किया।

शाखा ने आम बजट 2021-22 के लिए वित्त मंत्री को भेजे सुझाव

राज्य के आम बजट 2021-22 के लिए कामरूप शाखा द्वारा वित्त मंत्री श्रीमती अजंता नेउग को अपने सुझाव प्रेषित किए गए। मालूम हो कि वर्ष 2021-22 के आम बजट विधानसभा में पेश करने से पहले वित्त मंत्री श्रीमती अजंता नेउग ने कॉर्पोरेट क्षेत्रों व लोगों से बजट के संबंध में सुझाव आमंत्रित किये थे। शाखा के अध्यक्ष श्री विनोद कुमार लोहिया और बौधिक विकास समिति के संयोजक सीए. आयुष सराफ द्वारा हस्ताक्षरित सुझाव पत्र मंत्री अजंता नेउग को ई-मेल के जरिये भेजे गए।

पत्र में मंत्री अजंता नेउग को राज्य के वित्त मंत्री का पद संभालने पर बधाई देते हुए शाखाध्यक्ष श्री विनोद कुमार लोहिया ने कोविड-19 से प्रभावित सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योग (एम.एस.एम.ई.) क्षेत्र से जुड़े व्यवसाय को राहत देने की बात कही। इसके लिए उन्होंने इस उद्योग क्षेत्र के लिए ट्रेड लाइसेंस सहित अन्य लाइसेंस के नविनीकरण के शुल्क में छूट देने, स्थायी बिजली शुल्क में छूट देने का सुझाव दिया। उन्होंने साथ ही छोटे उद्योगों व महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण को बढ़ावा देने के लिए ट्रेड लाइसेंस व सोसाइटी रजिस्ट्रेशन के लिए अनापत्ति पत्र (एनओसी) की अनिवार्यता को समाप्त करने का सुझाव दिया। उन्होंने कहा कि अगर इस सुझाव को लागू किया जाता है तो असम ऐसा करने वाला पहला राज्य होगा। पत्र में कोविड-19 से सबसे अधिक प्रभावित होने वाले उद्योगो जैसे पर्यटन, मनोरंजन, शिक्षा व अन्य सेवा क्षेत्रों को सीधे तौर पर राहत पहुंचाने का सुझाव दिया गया। यह नकद सब्सिडी या देय जीएसटी की वापस अदायगी से किया जा सकता है।

शाखाध्यक्ष ने सोसाइटी रेजिस्ट्रेशन एक्ट 1860 के तहत सोसाइटी के पंजीकरण व नविनीकरण की प्रक्रिया को पूरी तरह से ऑनलाइन करने का भी सुझाव दिया। साथ ई-वे बिल के संबंध में भी उन्होंने वित्त मंत्री को 200 किमी. प्रति दिन के दायरे को कम करके 100 किमी. प्रति दिन करने व इसकी वित्तीय लेन-देन की सीमाको 50,000 रुपये से बढ़ाकर 1,00,000 करने का भी सुझाव दिया था।

शाखाध्यक्ष श्री विनोद कुमार लोहिया बतौर फाईनर के निदेशक के रूप में असम की वित्त मंत्री श्रीमती अजंता नेउग का फुलाम गामोछा से अभिनंदन करते हुए।

चतुर्थ शपथ ग्रहण समारोह का ऑनलाइन आयोजन

कोरोना महामारी के बीच मारवाड़ी सम्मेलन, कामरूप शाखा का चतुर्थ शपथ ग्रहण समारोह जूम ऐप के माध्यम से ऑनलाइन संपन्न हुई। शाखाध्यक्ष श्री निरंजन सिकरिया की अध्यक्षता में आयोजित इस समारोह से मुख्य अतिथि के रूप में असम सरकार के कर आयुक्त श्री राकेश अग्रवाल एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में मारवाड़ी सम्मेलन के प्रांतीय अध्यक्ष श्री ओमप्रकाश खंडेलवाल के अलावा कई अन्य प्रांतीय पदाधिकारी जूम एप के माध्यम से जुड़े। समारोह में नवनियुक्त शाखाध्यक्ष श्री विनोद कुमार लोहिया को प्रांतीय अध्यक्ष श्री ओमप्रकाश खंडेलवाल ने पद की शपथ दिलाई। नवनियुक्त शाखा उपाध्यक्ष श्री बाबूलाल नवलखा और श्री अजीत शर्मा, सचिव श्री दिनेश गुप्ता, संयुक्त सचिव श्री दीपक जैन व कोषाध्यक्ष श्री पीयूष बिरमीवाल को पूर्व शाखाध्यक्ष श्री पवन कुमार जाजोदिया ने शपथ दिलाई। नवनियुक्त कार्यकारिणी सदस्य व समिति संयोजकों को सम्मेलन की गुवाहाटी शाखा के अध्यक्ष श्री सांवरमल अग्रवाल ने शपथ पाठ कराया। इस अवसर पर 25 नए सदस्यों को भी सदस्यता प्रदान की गई, जिनको मारवाड़ी सम्मेलन गुवाहाटी महिला शाखा की अध्यक्षा श्रीमती कंचन केजरीवाल ने शपथ दिलाई। गौरतलब है कि शाखा में पहली बार महिला सदस्यों को शामिल किया गया।

इससे पहले सुजीत बखरेड़िया ने कार्यक्रम का संचालन करते हुए शाखाध्यक्ष श्री निरंजन सिकरीया, सचिव श्री दिनेश गुप्ता व कोषाध्यक्ष श्री दीपक जैन को मंच पर आसीन करवाया। संस्थापक शाखाध्यक्ष श्री संपत मिश्र, पूर्व अध्यक्ष श्री पवन कुमार जाजोदिया, निवर्तमान अध्यक्ष श्री निरंजन सिकरिया व नवनिर्वाचित अध्यक्ष श्री विनोद कुमार लोहिया ने दीप प्रज्ज्वलित करके कार्यक्रम की शुरुआत की। शाखाध्यक्ष श्री सिकरिया ने अपने अंतिम अध्यक्षीय संबोधन के पश्चात अपने कार्यकाल के सर्वश्रेष्ठ अध्यक्षीय पुरस्कारों की घोषणा की एवं उपस्थित सदस्यों को पुरस्कार प्रदान किया। श्री दिनेश गुप्ता एवं श्री अनुज चौधरी को सर्वश्रेष्ठ सदस्य पुरस्कार, श्री विनोद कुमार लोहिया को शाखा के मुखपत्र कामरूप दर्पण के संपादन हेतु, श्री दीपक जैन को कोषाध्यक्ष के दायित्व हेतु, श्री संपत मिश्र को जनसंपर्क अधिकारी एवं मीडिया सलाहकार के दायित्व हेतु, श्री पवन कुमार जाजोदिया को स्कूल नवीनीकरण हेतु, श्री उमेश माहेश्वरी को सर्वश्रेष्ठ समर्पित सदस्य हेतु, श्री मुकेश जिंदल को वर्ष 2019–21 के लिए वित्तीय सहायता हेतु, श्री विवेक मुरारका को ऑडिटर के दायित्व हेतु, श्री अनुज चौधरी, अध्यक्ष अग्रवाल युवा परिषद को विशेष सहयोग हेतु उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए पुरस्कृत किया गया। शाखा की सर्व फुड फील गुड, ऑक्सिजन बैंक व कोरोना टीकाकरण शिविर में सहयोग के लिए अग्रवाल युवा परिषद को विशेष रूप से पुरस्कृत किया गया। इसके अलावा कार्यकारी सदस्य श्री अजीत शर्मा, श्री संजय खेतान, श्री प्रभात शर्मा, श्री राजेश पोद्दार, श्री उमा शंकर गट्टानी और श्री संतोष जैन को उनके समर्पित सहयोग के लिए पुरस्कृत किया गया।

मुख्य अतिथि श्री राकेश अग्रवाल व विशिष्ट अतिथि श्री ओमप्रकाश खंडेलवाल ने ऑनलाइन के जरिए 'कामरूप दर्पण' के आठवें अंक का विमोचन किया। नए सत्र के लिए मुख्य चुनाव अधिकारी श्री संपत मिश्र ने श्री विनोद कुमार लोहिया को अध्यक्ष पद के लिए प्रमाण–पत्र प्रदान किया। नए अध्यक्ष के शपथ पाठ करने के बाद निवर्तमान अध्यक्ष बने श्री निरंजन सिकरिया ने उनको बैज प्रदान कर पदभार हस्तांतरित किया। तदुपरांत श्री सिकरिया को उनकी कार्यकारिणी के उपस्थित पदाधिकारियों एवं सदस्यों द्वारा विदाई सम्मान दिया गया। समारोह में ऑनलाइन माध्यम से जुड़े मुख्य अतिथि श्री राकेश अगरवाल और विशिष्ट अतिथि श्री ओमप्रकाश खंडेलवाल ने अपने संबोधन में सारगर्भित मंतव्य रखे। एलेन इंस्टीट्यूट के सभागार में आयोजित इस ऑनलाइन कार्यक्रम की व्यवस्था श्री सुजीत बखरेड़िया, श्री अजीत शर्मा, श्री पीयूष बिरमीवाल, श्री अनुज चौधरी, श्री विनोद शर्मा ने संभाली। सचिव श्री दिनेश गुप्ता के धन्यवाद ज्ञापन के बाद समारोह का सफल समापन हुआ।

मारवाड़ी सम्मेलन, कामरूप शाखा

कार्यकारिणी समिति 2021-23

विनोद कुमार लोहिया
अध्यक्ष

निरंजन सिकरिया
निवर्तमान अध्यक्ष

अजीत शर्मा
उपाध्यक्ष

बाबूलाल नवलखा
उपाध्यक्ष

सुजीत बरखेड़िया
उपाध्यक्ष

दिनेश गुप्ता
सचिव

दीपक जैन
संयुक्त सचिव

राजेश अग्रवाला
संयुक्त सचिव

पीयूष बिरमीवाल
कोषाध्यक्ष

बनवारीलाल मुंधरा
कार्यकारिणी सदस्य

बिनोद कुमार शर्मा
कार्यकारिणी सदस्य

चंद्र प्रकाश सांगानेरिया
कार्यकारिणी सदस्य

मुकेश अग्रवाल
कार्यकारिणी सदस्य

प्रभात शर्मा
कार्यकारिणी सदस्य

राजेश गोयल
कार्यकारिणी सदस्य

राजेश पोद्दार
कार्यकारिणी सदस्य

संजय कुमार खेतान
कार्यकारिणी सदस्य

संतोष जैन
कार्यकारिणी सदस्य

उमाशंकर गट्टाणी
कार्यकारिणी सदस्य

उमेश माहेश्वरी
कार्यकारिणी सदस्य

विकास बजाज
कार्यकारिणी सदस्य

मारवाड़ी सम्मेलन, कामरूप शाखा

संयोजक (2021-23)

संपत मिश्र
संयोजक
मीडिया एवं प्रचार-प्रसार समिति

पवन कुमार जाजोदिया
संयोजक
परिणय बंधन एवं प्रकाशन समिति

निरंजन सिकरिया
संयोजक
स्कूल नवीनीकरण समिति

आशीष शर्मा
संयोजक
सोशल मीडिया एवं वेबसाइट अद्यतन समिति

विनोद कुमार शर्मा
संयोजक
विशिष्ठ दिवस पालन समिति

आयुष सराफ
संयोजक
बौधिक विकास समिति

बनवारीलाल मुंधरा
संयोजक
आरोग्य रथ सेवा समिति

प्रभात शर्मा
संयोजक
दीवाली कार्यक्रम आयोजन समिति

राजेश पोद्दार
संयोजक
होली कार्यक्रम आयोजन समिति

राजीव अग्रवाल
संयोजक
जूठन विरोधी अभियान समिति

संजय कुमार खेतान
संयोजक
योग शिविर एवं कोष समिति

सुजीत बखरेड़िया
संयोजक
एक खोज प्रतिभा की आयोजन समिति

विकास बजाज
संयोजक
प्रिविलेज कार्ड सेवा समिति

रितेश अगरवाला
संयोजक
वेबसाइट नवीनीकरण

उमाशंकर गड्डाणी
संयोजक
बंधुत्व विकास समिति

प्रियंक जालान
संयोजक
रक्तदान समिति

चतुर्थ कार्यकारिणी की पहली बैठक का आयोजन

कामरूप शाखा के 2021-23 सत्र की पहली कार्यकारिणी की बैठक 4 जुलाई 2021 को जूम के माध्यम से शाखा अध्यक्ष श्री विनोद कुमार लोहिया की अध्यक्षता में आयोजित हुई। शाखाध्यक्ष ने सभी का स्वागत एवं अभिनंदन करते हुए सभा प्रारम्भ की घोषणा की। आवश्यक बदलाव के साथ सभा की कार्यसूची का अनुमोदन किया गया। हाल ही में दिवंगत हुए ज्ञात-अज्ञात समाजबंधुओं को एक मिनट का मौन रखकर श्रद्धाजंलि दी गई। सभा में उपस्थित सदस्यों ने अपना-अपना परिचय दिया। इसके बाद पूर्व अध्यक्ष श्री पवन कुमार जाजोदिया ने नव नियुक्त उपाध्यक्ष श्री सुजीत बखरेड़िया, सह सचिव श्री राजेश अगरवाला और विभिन्न समिति के संयोजकों को शपथ पाठ कराया गया। तत्पश्चात सचिव श्री दिनेश गुप्ता ने पिछली कार्यकारिणी सभा

का प्रतिवेदन और अप्रैल 2021 से लेकर अब तक संपन्न हुए सभी प्रकल्पों व कार्यक्रमों की रिपोर्ट आय-व्यय के ब्यौरे के साथ सभा पटल पर रखी। नियमित रूप से चल रही आरोग्य सेवा की रिपोर्ट संयोजक श्री पवन कुमार जाजोदिया ने प्रस्तुत की। कोषाध्यक्ष श्री पीयूष बिरमीवाल ने वर्ष 2020-21 का अन-ऑडिटेड एकाउंट्स व वर्ष 2021-2022 (अब तक) का लेखा-जोखा सदन के सामने रखा। इसके बाद अध्यक्ष ने प्रांतीय सभा के लिए श्री निरंजन सिकरिया, श्री पवन कुमार जाजोदिया, श्री अजीत शर्मा, श्री बाबूलाल नवलखा और श्री सुजीत बखरेड़िया का मनोनयन किया। कार्यकारिणी सभा में 29 नए सदस्यों के नामों का अनुमोदन किया गया। भावी कार्यक्रमों में शाखा की वेबसाइट रेनोवेशन, प्रिविलेज कार्ड को प्रांतीय स्तर तक ले जाने, चाभीपुल प्राथमिक विद्यालय के नवीनीकरण, एक खोज...प्रतिभा की... के आयोजन, वोटर हेल्पडेस्क को नियमित कार्यक्रम बनाने, परिणय बंधन परियोजना और रक्तदान को बढ़ावा देना जैसे विषयों पर चर्चा हुई। सभी पदाधिकारियों एवं पूर्व अध्यक्षों सहित 11 लोगों की कोर कमिटी गठित की गयी। बैठक के अंत में सचिव श्री दिनेश गुप्ता ने सभी को उनकी उपस्तिथि तथा सहभागिता के लिए धन्यवाद दिया तथा भविष्य में सबकी सहभागिता की कामना की।

कामरूप शाखा के अतिथ्य में पूप्रमास की द्वितीय कार्यकारिणी की बैठक

पूर्वोत्तर प्रदेशीय मारवाड़ी सम्मलेन (पूप्रमास) के नये कार्यकाल की द्वितीय कार्यकारिणी की बैठक 13 जून 2021 को मारवाड़ी सम्मलेन, कामरूप शाखा के आतिथ्य में जूम एप के माध्यम से आयोजित की गई। प्रांतीय अध्यक्ष श्री ओम प्रकाश खंडेलवाल, उपाध्यक्ष (मुख्यालय) श्री अरुण अग्रवाल, महामंत्री श्री अशोक अग्रवाल, कोषाध्यक्ष सीए अशोक अग्रवाल, संगठन मंत्री श्री कृष्ण कुमार जालान एवं कामरूप शाखा के अध्यक्ष श्री विनोद कुमार लोहिया ने इस बैठक में प्रत्यक्ष रूप से भाग लिया, जबकि प्रांत के अन्य पदाधिकारी, कार्यकारिणी सदस्य, संयोजक, सलाहकार, पूर्व पदाधिकारी, अन्य शाखाओं के पदाधिकारी और आतिथ्य शाखा के पदाधिकारी, पूर्व पदाधिकारियों व कार्यकारिणी सदस्य

जूम एप के जरिये बैठक से ऑनलाइन जुड़े। मंच स्थल पर शाखा के उपाध्यक्ष श्री अजित शर्मा, सचिव श्री दिनेश गुप्ता, सह-सचिव श्री दीपक जैन, कोषाध्यक्ष श्री पीयूष बिरमिवाल मौजूद थे, जिन्होंने मंचासीन अतिथियों का फुलाम गामोछा से स्वागत किया। इसके अलावा जूम की जिम्मेदारी तकनीकी टीम ने संभाली, जिसमें श्री अनुज चौधरी, श्री आयुष सराफ सहित शाखा उपाध्यक्ष श्री सुजीत बखरेड़िया शामिल थे। शाखा के अध्यक्ष श्री विनोद कुमार लोहिया ने प्रत्यक्ष व परोक्ष रूप से बैठक में शामिल हुए सभी लोगों का अभिनंदन किया। उन्होंने कामरूप शाखा को अपने आतिथ्य का अवसर प्रदान करने पर प्रांतीय नेतृत्व का आभार व्यक्त किया। चार घंटे से अधिक चले इस ऑनलाइन बैठक में 71 लोगों ने भाग लिया। प्रांत के व्हाट्सएप ग्रुप के माध्यम से वर्चुअल सभा में उपस्थित लोगों ने कामरूप शाखा के जूम एप के जरिये बैठक के आयोजन की भूरी-भूरी प्रशंसा की।

स्व. होमेन बरगोहाईं व स्व. लक्ष्मीनंदन बोरा को कामरूप शाखा ने दी श्रद्धांजलि

कोरोना काल में देश ने कई महान विभूतियों को खोया है। इनमें राज्य के प्रसिद्ध साहित्यकार, शिक्षाविद् व समाजसेवी स्व. लक्ष्मीनंदन बोरा और स्व. होमेन बरगोहाईं भी शामिल हैं। मालूम हो कि 11 मई 2021 को स्व. होमेन बरगोहाईं का परलोकगमन हो गया, जबकि स्व. लक्ष्मीनंदन बोरा ने 3 जुलाई को अंतिम सांस ली। दोनों की मृत्यु से राज्य को अपूर्णीय क्षति हुई है। मारवाड़ी सम्मेलन, कामरूप शाखा के एक प्रतिनिधिमंडल ने 12 जून 2021 को उनके निवास स्थान पर पहुंचकर उन्हें श्रद्धांजलि दी। प्रतिनिधिमंडल ने उनके शोकाकुल परिवार के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की। इस प्रतिनिधिमंडल में शाखा के अध्यक्ष श्री विनोद कुमार लोहिया, सचिव दिनेश गुप्ता, पूर्व अध्यक्ष श्री पवन कुमार जाजोदिया शामिल थे। इस मौके पर साहित्य जगत से जुड़े श्री किशोर जैन भी मौजूद थे।

मारवाड़ी सम्मेलन गुवाहाटी महिला शाखा का एक अनूठा प्रयास

आओ असमिया सीखें

मारवाड़ी सम्मेलन, गुवाहाटी महिला शाखा ने एक अनूठा प्रयास करते हुए 29 मई से 1 अगस्त 2021 तक असमिया भाषा सीखने के लिए 'आओ असमिया सीखें' नामक प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया। 29 मई से शुरू यह प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रत्येक सप्ताह के शनिवार और रविवार को शाम 5 से 6 बजे तक ऑनलाइन आयोजित किया गया।

इस प्रकल्प में श्रीमती कंचन केजरीवाल और श्रीमती नीलम मुरारका ने स्वेच्छिक रूप से सेवाएं दी। शाखाध्यक्ष श्रीमती कंचन केजरीवाल ने कहा कि शिक्षा पर किसी भी उम्र में कोई पाबंदी नहीं होती। हमें अपने प्रदेश की भाषा का ज्ञान होना ही चाहिए। असमिया लिखना, पढ़ना और खासकर स्थानीय लोगों से बातचीत करना या उनके द्वारा कही गई बातों को समझना, स्थानीय टीवी चैनल पर पढ़े गए समाचारों को समझना, हमारे नेताओं के सम्भाषण को सुनना, असमिया अखबार पढ़ना, कुछ ऐसी चीजें हैं, जो हमें जरूर आनी चाहिए।

संस्थाओं के सफल संचालन हेतु मूलभूत आवश्यकताएं

✍ पवन कुमार जाजोदिया

हम सभी जानते हैं कि हमारा सम्मेलन एक संघीय ढांचे के अंतर्गत काम करता है। तीन स्तर पर संचालन समितियां अपना-अपना कार्य करती हैं। शाखा स्तर पर शाखा की कार्यकारिणी समिति कार्य करती है, जो प्रांतीय स्तर पर कार्यरत कार्यकारिणी समिति को रिपोर्ट करती है। तथा इसी तरह प्रांतीय कार्यकारिणी राष्ट्रीय स्तर पर काम करने वाली राष्ट्रीय कार्यकारिणी समिति को रिपोर्ट करती है।

संस्थाओं का दायित्व होता है कि जनसेवा और सामाजिक कार्य के द्वारा व्यक्तित्व विकास, नेतृत्व विकास को बढ़ावा दें, पर बहुत लंबी चर्चा भी हुई। संस्था के सशक्तिकरण एवं समाज बंधुओं के साथ प्रगाढ़ता, संस्था से नए सदस्य को जोड़ना, समाज विकास कार्यक्रम के जरिए स्थानीय समाज बंधुओं को लाभान्वित करना, सांगठनिक गतिविधियों को बढ़ावा देना। जैसे बहुत से पहलुओं पर विस्तार पूर्वक चर्चा भी होती आई है।

परंतु दोस्तों, इन सब चर्चा के पूर्व हमें संस्था का वास्तविक सदस्य बनना होगा। हम किस स्तर के सदस्य हैं, इसका मूल्यांकन करना होगा, हमें अपने विषय को जानना होगा। हमें गलतफहमी में नहीं रहना चाहिए। इसके लिए क्या करना होगा, यह जानना अत्यंत जरूरी है -

- संस्था के उद्देश्यों की जानकारी।
- संस्था के संविधान की मुख्य बातों की जानकारी।
- कार्यकर्ता बनने के सभी गुण।
- संस्था के नेतृत्व पर विश्वास।
- अनुशासन के प्रति प्रतिबद्धता।
- अपनी सहमति का उचित समय उसकी चर्चा।
- नेतृत्व के दिशा-निर्देश का पालन।
- अपने व्यक्तिगत एवं पारिवारिक दायित्व का पालन करते हुए यथासंभव संस्था के कार्यों में योगदान।
- सभा, समारोह में आपकी उपस्थिति।
- अपने उपर दिए गए दायित्वों का शत-प्रतिशत पालन। यदि पालन करने में असुविधा हो तो कार्य विभाजन करना।
- अपने ग्रहण किए दायित्वों का शत-प्रतिशत पालन।
- पद या दायित्व की गरिमा को देखकर उसे ग्रहण न करना। अपना दायित्व को निभाना।
- संस्था द्वारा आयोजित सभी कार्यक्रमों में शत-प्रतिशत सहभागिता।

संस्था के सदस्य का अधिकार के साथ नए-नए अवसरों का प्राप्त करना, सदस्य को अपने कर्तव्य एवं दायित्व के प्रति जानकारी होनी जरूरी होती है....

सदस्य का अधिकार :

- संस्था की साधारण सभाओं में भाग लेने का अधिकार।
- विभिन्न प्रस्तावों एवं विचारों पर अपने विचार को व्यक्त करने का अधिकार।
- अपना सुझाव देने का अधिकार।
- राष्ट्रीय / प्रांतीय अधिवेशन में भाग लेने का अधिकार।
- विभिन्न पदों के लिए प्रार्थी चयन के मामले में मत देने का अधिकार।
- संस्था के पद विशेष हेतु संवैधानिक आवश्यकताओं के अनुरूप प्रार्थी बनने का अधिकार।
- सदस्य के रूप में स्वयं को प्रतिष्ठित करने का अधिकार।
- संस्था के आय-व्यय की सटीक एवं पूर्ण विवरण प्राप्त करने का अधिकार।
- संस्था के संसाधनों के सदुपयोग की मांग का अधिकार।

अवसर :

- प्रभावी व्यक्ति, प्रभावी वक्ता, प्रभावी नेतृत्व से संपर्क करने का अवसर।
- प्रभावी लेखन, प्रभावी प्रबंधन आदि कलाओं को उन्नत एवं विकसित करने का अवसर।
- सामाजिक एवं सार्वजनिक पृष्ठभूमि तैयार करने का अवसर।
- संगठन के मीठे-कड़वे अनुभवों से सामाजिक व्यवहारिकता को जानने का अवसर।
- अन्य सदस्यों के जीवंत अनुभवों से रूबरू होने का अवसर।
- समाज को अपनी सेवाएं प्रदान करने का अवसर।
- नए-नए लोगों से परिचित होने का अवसर।
- स्वयं के व्यवहार को कुशल बनाने का अवसर।
- कार्य करने की कला एवं क्षमता को विकसित करने का अवसर।

कर्तव्य :

- सदस्यता शुल्क को समय पर भुगतान करना।
- साधारण सभाओं में अपनी उपस्थिति सुनिश्चित करना।
- संस्था के लक्ष्य एवं उद्देश्यों के प्रति पूर्ण निष्ठा रखना।

दायित्व :

- संस्था के कार्यक्रमों में अपनी सहभागिता सुनिश्चित करने का दायित्व।
- संस्था की छवि को अक्षुण्ण रखते हुए उसे और अधिक प्रखरित करने का दायित्व।
- संस्था की नीतियों के अनुरूप स्वयं को ढालने का दायित्व।
- संस्था को नए सदस्य देने का दायित्व।
- संस्था के पदाधिकारियों को सहयोग, समर्थन एवं सम्मान देने का दायित्व।
- अपने को भरोसेमंद सदस्य साबित करने का दायित्व।
- सदस्यों का विश्वास हासिल करने का दायित्व।
- सदस्यों की भावनाओं का आदर एवं सम्मान करने का दायित्व

हम सभी सदस्य सम्मेलन के अभिमान हैं। आने वाले समय में हम सभी अपने इस अभिमान को और अधिक सुदृढ़ता प्रदान कर पाने में सक्षम होंगे।

समाज सेवक बनना और नाराज होना दोनों चीजें साथ नहीं चल सकती है। इसलिए समाज सेवा छोड़ें या नाराज होना छोड़ें.. !

- ☐ मेरी फोटो नहीं छपी, इसलिए मैं नहीं आया।
- ☐ मेरा निमंत्रण पत्रिका में नाम नहीं था, इसलिए मैं नहीं आया।
- ☐ मुझे उसमें कुछ मिलने वाला नहीं था, इसलिए मैं नहीं आया।
- ☐ मुझे कोई पद नहीं मिला, इसलिए मैं नहीं आया।
- ☐ मुझे कोई सुनता नहीं है, इसलिए मैं नहीं आया।
- ☐ मुझे स्टेज पर नहीं बैठाया, इसलिए मैं नहीं आया।
- ☐ मेरा सम्मान नहीं किया, इसलिए मैं नहीं आया।
- ☐ सभी काम मुझे सौंपा जाता है, इसलिए मैं नहीं आया।
- ☐ मुझे बोलने का मौका नहीं दिया, इसलिए मैं नहीं आया।
- ☐ बार-बार आर्थिक बोझ मुझ पर डाल दिया जाता है इसलिए मैं नहीं आया...।
- ☐ कोई सुझाव लेते नहीं है, इसलिए मैं नहीं आया।
- ☐ टाइम नहीं मिल रहा, इसलिए मैं नहीं आया...।

हमारे समाज के आकार को देखते हुए सदस्यों की वर्तमान ताकत बहुत ही नगण्य है। इसलिए सभी सदस्यों को स्वयं के संपर्कों या अन्य माध्यम से नए सदस्य जोड़ने का लक्ष्य रखना चाहिए। किसी भी संस्था में लोगों को साथ जोड़ने की क्षमता की वजह से सामाजिक

बदलाव लाने का एक बहुत महत्वपूर्ण भुमिका हो सकती है, जिनका सदस्य में सकारात्मक प्रभाव पड़ता है। इससे अपने आप में बहुत बड़ा परिवर्तन आ सकता है। संस्था एक माध्यम है, जो हमें जोड़ता है। संस्था के अधिक सदस्यों का मतलब अधिक भागीदारी है, जिसकी हमें वास्तव में आवश्यकता है। संगठन को शक्ति देना और उनकी आवाज को शक्तिशाली बनाना सदस्य का कर्तव्य है। सदस्यों की एकता एवं उनके कार्य से ही संगठन की आवाज का जोर बढ़ता है। हर नेतृत्व को यह समझना होगा कि यह जो स्वरूप आज संगठन का है वह अनगिनत लोगों के त्याग, समर्पण एवं तपस्या के कारण ही है। कोई भी संस्था किसी एक परिवार या एक व्यक्ति का संगठन नहीं है, यह समाज की प्रतिनिधि संस्था है। समाज का हर व्यक्ति इसका सदस्य ही है, चाहे उसने विधिवत सदस्यता ली हो या नहीं।

- संगठन में-नियम नहीं, व्यवस्था होती है।
- संगठन में-सूचना नहीं, समझ होती है।
- संगठन में-कानून नहीं, अनुशासन होता है।
- संगठन में-भय नहीं, भरोसा होता है।
- संगठन में-शोषण नहीं, पोषण होता है।
- संगठन में-आग्रह नहीं, आदर होता है।
- संगठन में-संपर्क नहीं, सम्बन्ध होता है।
- संगठन में-अर्पण नहीं, समर्पण होता है।
- संगठन में-मैं नहीं, हम होता है।
- संगठन में-प्रशंसा नहीं, सम्मान होता है।
- संगठन में-तोड़ना नहीं, जोड़ना होता है।

इसलिए स्वयं को संगठन से जोड़े रखें। संगठन सामूहिक हित के लिए होता है, व्यक्तिगत स्पर्द्धा और स्वार्थ के लिए नहीं।

पदाधिकारी- कार्यकर्ता की जोड़ी

➲ पदाधिकारी एक हों, कार्यकर्ता नेक और अनेक हों।
➲ पदाधिकारी चुस्त है तो कार्यकर्ता सुस्त नहीं रहेगा।
➲ पदाधिकारी सोता रहेगा तो कार्यकर्ता को खोता रहेगा।
➲ पदाधिकारी एक मत हों, कार्यकर्ता एक मन हों।
➲ पदाधिकारी यदि सावधान है तो कार्यकर्ता का समाधान होता है।
➲ पदाधिकारी दबंग चाहिए न कि दलबंदी वाला। कार्यकर्ता मजबूत चाहिए न कि मक्खन लगाने वाला।
➲ पदाधिकारी में होश और हौसले हों, तभी कार्यकर्ता में जोश और जुनून होगा।
➲ पदाधिकारी का मन मजबूत हो तो कार्यकर्ता मैदान में मजबूत होगा।
➲ पदाधिकारी में प्लान होगा तो कार्यकर्ता अच्छे प्लांट की तरह उभरेगा।

समाज के प्रति सदस्यों को जिम्मेदारी और दायित्व को स्वीकारना होगा और संस्था के हर कार्य को निष्ठा के साथ करना होगा। आने वाले समय में हर कार्य और अधिक सामर्थ्य एवं शक्ति के साथ करना होगा। संस्था के हर सदस्यों पर यह जिम्मेदारी होगी।

संस्था में जुड़ने से पहले आप इतना जरूर ध्यान में रखें की आपके कार्य से या आप द्वारा संपादित किए गए कार्य से कई सदस्यों का दिल छू लेगा। लेकिन कुछ सदस्य ऐसे भी मिलेंगे कि वे आपको कुछ दिन तो पसंद करेंगे, कुछ दिन बाद संस्था के मुखिया से मिल कर आपको दूर करने की कोशिश भी करेंगे। ऐसे अवसर पर आप स्वयं पर काबू रखें एवं अपना कार्य करते रहें। वे अपने-आप कमजोर होता जाएगा।

दूसरों की कमजोरियों और दुर्बलताओं का हम बहुत मजाक उड़ाते हैं। नाराज भी होते हैं, गुस्सा भी आता है। कभी हमने विचार किया कि हमारे स्वयं के भीतर भी कितने दोष-दुर्गुण भरे पड़े हैं, यह अलग बात है हमने उसके ऊपर सच्चरित्र की झूठी चादर ओढ़ रखी है। दूसरे व्यक्तियों में सुधार करने से पहले हमें अपने सुधार की बात पहले सोचनी होगी। दूसरों से मधुर व्यवहार की अपेक्षा रखने से पूर्व हमें स्वयं अपने व्यवहार को मधुर रखना होगा। कई बार हमारा खुद का व्यवहार कितना निम्न और अशोभनीय हो जाता है। हर संगठन में एक भी व्यक्ति ऐसा नहीं, जो पूर्णतः भला हो या बुरा हो। परिस्थिति के हिसाब से भली-बुरी छवि सामने आती रहती है। यदि हम दूसरों में बुराई, अभाव या अपकार ही देखते रहेंगे तो संस्था को नरक बनते देर ना लगेगी।

सच्चा कार्य वही है, जो समाज के हित को सर्वोपरि बना सके...। इसलिए कहा गया है कि समाज सेवा मतलब तलवार की धार पे चलने का कार्य, और यह कोई कायरों का काम नहीं.... जिंदगी में संघर्ष जरूरी है, इसलिए जो लोग समाज सेवा में अपना मूल्यवान समय दे रहे हैं उन लोगों को तन-मन-धन से सहयोग देकर समाज के अच्छे कार्यों को आगे बढ़ाएं।

संगठित रहें और संघर्ष करें।

श्री दिगम्बर जैन यूथ फेडरेशन ने किया मारवाड़ी सम्मेलन का सम्मान

कोरोना महामारी के दौरान जनसेवा के लिए जैन इंटरनेशनल ट्रेड ऑर्गेनाईजेशन एवं श्री दिगम्बर जैन यूथ फेडरेशन ने संयुक्त रूप से पूर्वोत्तर प्रदेशीय मारवाड़ी सम्मेलन (पूप्रमास) को सम्मानित किया। 18 जुलाई 2021 को गुवाहाटी के फैंसी बाजार स्थित महावीर स्थल में आयोजित एक समारोह में पूर्वोत्तर प्रदेशीय मारवाड़ी सम्मेलन (पूप्रमास) को यह सम्मान प्रदान किया गया। मालूम हो कि कोरोना महामारी के दौरान पूप्रमास के साथ-साथ इसकी संबद्ध शाखाओं ने जरूरतमंदों को खाद्य सामग्री का वितरण करने, रक्तदान शिविर का आयोजन करने, कोरोना टीकाकरण शिविर का आयोजन कर लोगों को नि:शुल्क वैक्सीन उपलब्ध कराने, जरूरतमंद मरीजों को प्लाज्मा व ऑक्सीजन सिलिंडर उपलब्ध कराने जैसे जनसेवामूलक कार्य किये। इसमें मारवाड़ी सम्मेलन, कामरूप शाखा ने भी अग्रणी भूमिका निभाई। इन जनसेवा कार्यों के लिए जैन इंटरनेशनल ट्रेड ऑर्गेनाईजेशन एवं श्री दिगम्बर जैन यूथ फेडरेशन ने पूप्रमास व इस शाखाओं को सम्मानित किया। समारोह में प्रांत की तरफ से महामंत्री श्री अशोक अग्रवाल,

गुवाहाटी शाखा के अध्यक्ष श्री सांवरमल अग्रवाल, कामरूप शाखा के मंत्री श्री दिनेश गुप्ता एवं गुवाहाटी महिला शाखा की अध्यक्षा सह मंडल 'च' की उपाध्यक्षा श्रीमती कंचन केजरीवाल उपस्थित थी। प्रांतीय महामंत्री श्री अशोक अग्रवाल ने अपने संबोधन में कहा कि प्रांत की प्राय: सभी शाखाएं अपने-अपने स्तर पर कोरोना काल में सेवा कार्यों में जुटी हुई है। शाखाओं के इन जनसेवा कार्यों की बदौलत सम्मेलन को यह सम्मान प्रांत को मिला है। उन्होंने इसके लिए सभी शाखाओं को धन्यवाद दिया तथा आयोजकों का आभार व्यक्त किया। उल्लेखनीय है कि जिस तरह पिता का सम्मान हो तो सभी पुत्रों का सम्मान स्वयं हो जाता है, उसी तरह प्रांत के सम्मान से शाखाएं स्वयं को सम्मानित महसूस कर कर रही हैं। बड़े भाई की भूमिका निभाती गुवाहाटी शाखा की भूमिका अग्रणी है। बाकी शाखाएं भी अपनी-अपनी क्षमतानुसार अपना योगदान दे रही हैं।

मारवाड़ी समाज में नहीं अलग-थलग रहने की प्रवृत्ति : डॉ. लक्ष्मीनन्दन बोरा

हमारे गांव के पास कुकुराबाही में एक मारवाड़ी दुकानदार था। उसकी गल्ले की दुकान थी। उसे पूरा इलाका भेरू केयां के नाम से जानता था। खालैगांव के एक अन्य गांव में ऐसा ही व्यवसाय करने वाला और एक मारवाड़ी था। हम उसे पुनिया केयां कहकर पुकारते थे। गांव में मारवाड़ी को केयां कहा जाता था। नगांव के हैबरगांव में एक अच्छे मारवाड़ी व्यवसायी को नगांव जिले के लगभग सभी लोग जानते थे। वह लालीया केयां के नाम से प्रसिद्ध था। दरअसल उसका नाम था लालचंद तोदी। वे पटसन खरीदकर कोलकाता भेजा करते थे। इसीलिए पाट के छोटे-छोटे व्यापारियों का उनके साथ संपर्क था। मेरे जीजाजी स्व. चाकिराम हजारिका भी ऐसे ही एक छोटे व्यापारी थे। वे सोनाईपार के गांवों से पटसन खरीदकर बैलगाड़ी से लालचंद तोदी के यहां लाकर बेचते थे। मेरे उपन्यास 'गंगा चिलनिर पाखी' के एक चरित्र में उनकी झलक है।

लालीया केयां, पुनीया केयां, भेरू केयां आदि लोगों को केयां या मारवाड़ी मानना कठिन है। क्योंकि ये लोग असमिया समाज के साथ घुलमिल गए थे और असमिया बन चुके थे। जिस तरह ज्योति प्रसाद अगरवाला को गैर-असमिया नहीं माना जा सकता, उसी तरह इन लोगों को गैर-असमिया नहीं माना जा सकता। इस तरह गांवों और छोटे-छोटे कस्बों में बसे कई मारवाड़ी परिवार असमिया समाज का हिस्सा बन गए और राज्य की श्रीवृद्धि में अपना योगदान देते आ रहे हैं। हमें याद रखना चाहिए कि श्रीमंत शंकरदेव के श्रेष्ठ ग्रंथ 'कीर्तन घोषा' को सर्वप्रथम हरिविलास अगरवाला ने छपवाकर दिया था और रूपकुंवर ज्योति प्रसाद ग्रंथावली का हिंदी में अनुवाद डिब्रुगढ़ के प्रतिष्ठित व्यवसायी देवीप्रसाद बागड़ोदिया ने किया। असम साहित्य सभा के अध्यक्ष पद पर रहने के दौरान कतिपय ऐसी शाखा सभाओं को जानने का मौका मिला था, जिनके अध्यक्ष या सचिव कोई अगरवाला या जैन या हिम्मतसिंहका थे। गुवाहाटी फैंसी बाजार शाखा साहित्य-सभा के अध्यक्ष रामनिरंजन गोयनका हैं। इसी तरह युवा साहित्यकार किशोर जैन असम साहित्य सभा के एक अक्लांत कार्यकर्ता हैं। इन लोगों को असमिया साहित्य-संस्कृति के बारे में विस्तार से पता है तथा समाज-संगठन में इन लोगों का प्रशंसनीय योगदान है। स्वर्गीय छगनलाल जैन के साहित्यिक योगदान की बात न जानने वाला व्यक्ति असम में कोई बिरला ही होगा। स्वर्गीय हीरालाल पटवारी के असम प्रेम की बातें अब किंवदंतियां बन गई हैं।

समकालीन मारवाड़ी समाज में विभिन्नता आई है। इसी तरह व्यवसाय-वाणिज्य में भी नई-नई धाराएं प्रचलित हुई हैं। असम में जनसंख्या का ढांचा इस तरह तेजी से बदल रहा है तथा जनसमुदायों का वितरण विशेष क्षेत्रों में सिमट रहा है (zonal distribution of ethnic groups) कि गैर-

स्थानीय बुद्धिजीवियों की दृष्टि में असम का मारवाड़ी समाज

असमिया समाज की नई पीढ़ी के बहुत से लोगों का असमिया जीवन के साथ कोई संपर्क नहीं रह गया है, बिना असमिया भाषा-संस्कृति जाने वे चल सकते हैं और व्यवसाय चलाते रह सकते हैं। लेकिन अन्य कई बहिरागत जनसमुदायों की तरह मारवाड़ी लोगों में ऐसी अलग-थलग रहने की प्रवृत्ति नहीं आई है।

नगांव में हनुमान जयंती के पर्व पर जाने का एक बार निमंत्रण मिला था। मुझे निमंत्रण देने गुवाहाटी मेरे घर मेरा सहपाठी गोपाल अगरवाला आया था। वहां जाकर देखा कि बड़ा भारी आयोजन है। वहाँ मुझे और अधिवक्ता पद्म बोरा को छोड़कर कोई तीसरा असमियाभाषी व्यक्ति नहीं था। लेकिन सभा की कार्यवाही असमिया भाषा में ही चल रही थी। गुवाहाटी के मारवाड़ी समाज में एक बात देखकर मैं अभिभूत हुआ हूं। वह है मारवाड़ियों की आत्म विश्लेषण की क्षमता। ये लोग अपने-आप का निर्मोह विश्लेषण करते हैं। मारवाड़ी युवाओं की एक पत्रिका है। नाम याद नहीं आ रहा। इसके संपादक ने मेरे उपन्यास 'विपन्न विस्मय' को अपनी हिंदी पत्रिका में धारावाहिक रूप से प्रकाशित करने की अनुमति मांगी थी। उपन्यास के चरित्र मारवाड़ी हैं तथा गुवाहाटी के गणेशगुड़ी की पृष्ठभूमि पर लिखा गया है। मैंने कहा कि यह किताब आप लोगों के काम की नहीं है, क्योंकि इसमें मारवाड़ी समाज के कतिपय दोष दिखाए गए हैं। यह सुनकर संपादक बोला कि इसीलिए तो हमने यह किताब चुनी है। क्योंकि हम जानना चाहते हैं कि दूसरों की नजर में हममें क्या-क्या दोष हैं।

मेरी नजर में मारवाड़ी समाज काफी गतिशील और कर्मरत समाज है। इनकी समृद्धि का आधार है व्यवसाय संबंधी तथ्य इकट्ठे करने की योग्यता, अनुध्यान (speculation), व्यवसाय के प्रति एकांत प्रेरणा तथा आपसी सहयोग। एक-दूसरे को सहायता पहुंचाना इन लोगों का बड़ा गुण है। इसीलिए देश के व्यवसाय-वाणिज्य में ये लोग शीर्ष स्थान पर हैं। 'द मारवारिज' नामक पुस्तक से भी मुझे यह पता चला कि इनकी सफलता का राज है एकता तथा परस्पर विश्वास।

मारवाड़ी सचमुच वास्तविक बुद्धि वाले लोग हैं। ये लोग पढ़ाई-लिखाई करते हैं उसे काम में लाने के लिए। इसीलिए इनके बच्चे वाणिज्य विद्या, चार्टर्ड एकाउंटेंसी, इंजीनियरिंग, बिजनेस मैनेजमेंट, विधि, चिकित्साशास्त्र आदि की पढ़ाई पढ़ते हैं, काम न आने वाली पढ़ाई आमतौर पर नहीं पढ़ते। और ये लोग नौकरी करने के लिए पढ़ाई नहीं करते। इनकी पढ़ाई-लिखाई का असली मकसद होता है वास्तविक जिंदगी में अपनी योग्यता बढ़ाना। हमारे युवक युवती यदि इसी बात का अनुकरण कर लें तो बेरोजगारी की समस्या कुछ हद तक हल हो सकती है।

मारवाड़ी लड़कियां भी आज काफी पढ़ रही हैं तथा सफलताएं भी हासिल कर रही हैं। असमिया साहित्य में प्रथम श्रेणी में प्रथम स्थान पाकर एम.ए. पास करने वाली छात्रा भी हैं। लेकिन आमतौर पर उन्हें पढ़ाई-लिखाई करने के बाद नौकरी नहीं करने दिया जाता। इसकी क्या वजह है पता नहीं, जबकि रूढ़िवाद के कारण ऐसा है यह कहना भी अति-सरलीकरण करना होगा। गुवाहाटी की ही एक मारवाड़ी लड़की कानपुर आई.आई.टी. में केमिकल इंजीनियरिंग पढ़ रही है। ऐसी लड़की को नौकरी मिलना निश्चित है। मैंने उसके पिता से एक दिन पूछा, क्या आपकी लड़की को पढ़ाई के बाद काम करने देंगे?

सुशिक्षित संभ्रांत पिता ने कहा, 'देट डिपेंड्स अपोन द हस्बैंड शी चुजेज।' इस जवाब से आप क्या समझेंगे?

(उपरोक्त लेख असम साहित्य-सभा के पूर्व अध्यक्ष तथा साहित्य अकादमी पुरस्कार से सम्मानित असमिया के अग्रणी साहित्यकार डॉ. लक्ष्मीनन्दन बोरा जी द्वारा सन् 2003 में लिखा गया।)

संग्रहकर्ता : किशोर जैन

सदस्यों के विचार

प्रत्येक व्यक्ति की सफलता उसके विचारों पर निर्भर करती है। व्यक्ति के विचार ही उसे सफलता और असफलता की ओर ले जाते हैं। कुछ विचार ऐसे होते है, जिसे पढ़ने के बाद लोगों को आगे बढ़ने की प्रेरणा मिलती है। आपके विचारों को साझा करने की एक पहल करते हुए 'सदस्यों के विचार' शीर्षक पर एक विशेष स्तंभ की शुरुआत की गई है।

शंकरलाल भजनका

मारवाड़ी सम्मेलन, कामरूप शाखा ने अपनी शुरुआत से ही श्री सम्पत जी मिश्र, श्री पवन कुमार जी जाजोदिया एवं श्री निरंजन जी सिकरिया के नेतृत्व में शाखा को सही मायने में समाज हित में कार्य करके जो विशिष्ठ स्थान दिलाया है, वह सराहनीय है। मैं संस्थापक सदस्य होने के नाते शाखा के उत्तरोत्तर प्रगति से खुश हूँ। हमारी शाखा में वर्चस्व के लिए जो खींचतान हुई उसकी पुनरावृत्ति न हो, इससे हमें खुशी होगी। हमारे नवनियुक्त अध्यक्ष श्री विनोद कुमार जी लोहिया अच्छा कार्य कर रहे हैं। कामरूप शाखा के सदस्यों के विचार और सुझाव को **कामरूप दर्पण** में समाहित करने की जो पहल की है, वह स्वागत योग्य है। इससे सदस्यों का शाखा के प्रति लगाव बढ़ेगा। मेरे विचार से वर्तमान समय में नियम, कानून, टैक्स दर में नित नये बदलाव हो रहे हैं, जिससे आम आदमी एवं व्यापारी वर्ग उलझन में रहते हैं। सरकार या मीडिया मोटे तौर पर इस सबंध में जानकारी देती है। मेरा विचार है कि शाखा इन विषयों पर एक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करे, जिससे आम आदमी एवं व्यापारी वर्ग लाभान्वित हो सके।

उमेश बाजोरिया

कामरूप शाखा से जुड़ कर मैं अपने आप को गौरवशाली समझता हूं, क्योंकि शाखा सभी कार्यक्रम उत्तम स्तर के ही करती आ रही है। मैं व्यक्तिगत रूप से सभी पदाधिकारियों की सक्रियता से बहुत प्रभावित हूँ। ज्ञात है कि शाखा द्वारा आयोजित किए जाने वाले हर कार्यक्रमों की जानकारी व्हाट्सएप्प के माध्यम से हमें अवगत किया जाता है। इससे स्पष्ट होता है कि पदाधिकारी गण अपने व्यवसायिक कार्यों में व्यस्त होते हुए भी समय-समय पर सफलतापूर्वक कार्यक्रमों का आयोजन कर शाखा के प्रति अहम भूमिका निभा रहे हैं। समाज के विकास और जागरूकता के लिए हमारी शाखा का समर्पण वाकयी सभी के लिए प्रेरणास्रोत है। मुझे पूर्ण विश्वास है कि हमारी शाखा भविष्य में प्रांत की एक परिपक्व शाखा के रूप में निखर कर आएगी। इसके लिए सभी पदाधिकारी बधाई के पात्र हैं। आप सभी को 75वां स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक बधाई एवं साथ ही हमारे नवनियुक्त अध्यक्ष श्री विनोद कुमारजी लोहिया को हृदय की अंतरतम गहराइयों से अनेकानेक शुभकामनाएं।

दिलीप अग्रवाल

कामरूप शाखा के सदस्य होने पर गर्व महसूस होता है। श्री पवन कुमार जाजोदिया की अध्यक्षता में 2018 में मैंने कार्यकारिणी सदस्य के रूप में कार्य किया। उनके कार्यकाल में शाखा के बारे में काफी कुछ सीखने को मिला। तत्पाशत श्री निरंजन सिकरिया के कार्यकाल में मुझे सह सचिव का पद मिला। उनके कार्यकाल में एक खोज प्रतिभा की कार्यक्रम काफी पसंदीदा था, जिसे समाज में शाखा की एक अलग पहचान बनी। शाखा द्वारा नित हो रहे कार्यकर्मों की प्रशंसा करता हूं। शाखा के पदाधिकारियों का सहयोग हमेशा मिलता रहा है। श्री विनोद कुमार लोहिया के नेतृत्व में गठित नई कार्यकारिणी कोविड के मुश्किल हालात में भी अच्छा कार्य कर रही है। मुझे पूरा भरोसा है कि आने वाले दिनों में हमारी शाखा नए मुकाम पर पहुंचेगी। समाज में और भी अनेक संस्थाएं हैं, जो सामाजिक कार्य करती रहती हैं, लेकिन हमारी शाखा हरदम लीक से हटकर समाजहित में कार्य करती है, जिससे समाज में हमारी शाखा की अलग पहचान बनी है। मैं शाखा के साथ जुड़कर कार्य करते हुए स्वयं को गौरान्वित महसूस करता हूं। नये सत्र व स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं।

मुकेश अग्रवाल

कामरूप शाखा से जुड़ने की मेरी जो भावना थी उसे मजबूती प्रदान हुई। हमारी शाखा में सेवा कार्य करने की काफी संभावनाएं हैं। जरूरत है मेहनत, लगन और जज्बे की। सदस्यों का आपसी सौहार्दपूर्ण संबंध कार्यक्रमों को सफलता की ओर ले जाती है। भविष्य में मैं यही आशा रखता हूं कि यह शाखा दिनोंदिन उन्नति के पथ पर आगे बढ़ती रहे और समाज सेवा के क्षेत्र में एक नया आयाम स्थापित करें। शाखा के सभी सदस्य बहुत मददगार हैं और कभी भी जरूरत पड़ने पर सामाजिक सेवा करने के लिए हमेशा तैयार रहते हैं। शाखा के वे सदस्य, जो निरंतर निष्क्रिय हैं और समुह प्रक्रियाओं से कट गए हैं, उन सदस्यों को जोड़ने की कोशिश करनी चाहिए। मैं कामना करता हूं कि हमारी शाखा निकट भविष्य में विकसित हो और नई ऊंचाइयों को प्राप्त करें। नए सत्र के लिए नवनियुक्त अध्यक्ष एवं उनकी कार्यकारिणी को मेरी हार्दिक बधाई।

अरुण चौधरी

सर्वप्रथम श्री विनोद कुमारजी लोहिया और उनकी ऊर्जा से भरी हुई कार्यकारणी समिति को बधाई। कामरूप दर्पण के संपादक श्री पवनजी जाजोदिया का यह बहुत ही सुंदर और सहारनीय कदम है, जिसके माध्यम से आम सदस्य भी अपने विचारों को प्रकट कर सकेंगे और संस्था से एक जुड़ाव महसूस करेंगे। ऐसे प्रगतिशील पहल के लिए ही शाखा के अधिकतर सदस्य मेरे विचार से सहमत होंगे कि **मेरी कामरूप शाखा, मेरा अभिमान** है, क्योंकि कामरूप शाखा सबसे अलग और आधुनिक सामाजिक संस्था हैं। कामरूप शाखा केवल नाम आर्थिक आमदनी हेतु परियोजनाएं नहीं करती, बल्कि आधुनिक समाज के आवश्यकताओं को महसूस करते हुए परियोजनाए क्रियान्वित करती हैं। कामरूप शाखा की परियोजनाओं से सीधे सदस्यों और आम लोगों को लाभ पहुंचता है। जैसे कि एन.आर.सी. सेमिनार और कैंप, जी.एम.सी. ट्रेड लाइसेंस रिन्यूवल कैंप, जी.एस.टी. सेमिनार, परिणय बंधन, एक खोज प्रतिभा की, पब्लिकेशन कार्य, ऑक्सीजन बैंक, एम्बुलेंस सेवा, वैक्सीनेशन कैंप इत्यादि। साथ ही यह भी कहना चाहता हूँ कि अधिकतर संस्था में केवल कुछ ही सदस्य आगे आ पाते हैं और संस्था का चेहरा बन पाते हैं। हमारी शाखा की कार्यकारिणी समिति से मेरा यह निवेदन रहेगा कि कुछ ऐसा प्रयास करे कि अधिकतर सदस्य शाखा के प्रति समर्पित हो सके। अंत में शाखा को उनके इस सकारात्मक और प्रगतिशील कदम के लिए शुभेच्छा देता हूँ।

विष्णु अग्रवाल

कामरूप दर्पण के सम्पादक, सह-सम्पादक को **सदस्यों के विचार** नामक नये स्तम्भ के लिए साधुवाद। मैं शाखा का सदस्य होने नाते गोरवान्वित हूँ कि शाखा अनेकों समाज हितकारी कार्य किए हैं। मैं स्वेच्छा से समाज के विवाह योग्य युवक-युवतियों के संबंध करवाने में सहयोग करता हूँ। पर समाज की आज यह बड़ी समस्या है, इस पर चिंतन की आवश्यकता है। शाखा भी समय-समय पर इस विषय पर चर्चा करती है, पर हमें और सार्थक प्रयास कर इस समस्या के समाधान के लिए उचित कदम उठाना चाहिए और सामाज के कमजोर वर्गों की साहायता करनी चाहिए। मैं भी उस पुनीत कार्य में शाखा को सहयोग करने का वादा करता हूँ।

अनूठे व्यक्तित्व के धनी थे स्व. राधाकृष्ण खेमका

मारवाड़ी समाज के एक विशिष्ट व्यक्ति आपकी नजर में

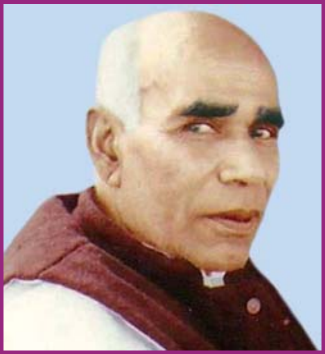

জীৱন যাত্ৰাত মই এদিন পালো
তোমাৰ মৃদু হাঁহিৰ সাক্ষাত।
ইমান মধুৰ ইমান মধু ভৰা
শেষ নাই মোৰ ব্যাখ্যাত।
আছিলা তুমি যুগৰ মানৱ
সহস্ৰজনৰ মাজৰ এজন।
ৰাধাৰূপে নৃত্য তোমাৰ হাঁহিত
কৃষ্ণৰূপে বাঁহী যেন বজালা কদমত।

जीवन परिचय

जन्म : वर्ष 1917, कोलकाता

स्वर्गवास : 28 दिसंबर 1977, वेल्लूर

पिता : स्व. विश्वेश्वरलाल खेमका

माता : स्व. भगवती देवी

विवाह : 1949, बिलासपुर (म.प्र.)

पत्नी : कस्तूरी देवी

तिनसुकिया के एक विशिष्ट कवि पूनाराम बरगोहाईंजी ने उक्त कविता के जरिये स्व. राधाकृष्ण खेमकाजी को श्रद्धांजलि अर्पित की है। कवि पूनाराम बरगोहाईं जी की तरह तिनसुकिया के अन्य विशिष्ट लोग आज भी राधा बाबू को श्रद्धा के साथ याद करते हैं। असम के मारवाड़ी समाज के सामाजिक और राजनैतिक जीवन में राधाकृष्ण खेमकाजी का एक अलग ही स्थान रहा। उनका व्यक्तित्व और कार्य-कुशलता युगों तक लोगों में सजीव रहेगा।

हँसमुख प्रवृत्ति के धनी, मानवता के पुजारी, सहनशीलता के प्रतिमूर्ति, खादी वस्त्र धारण करने वाले स्व. राधा बाबू एक साधारण व्यक्ति थे, लेकिन उनका कर्म ही उन्हें असाधारण वर्ग में शामिल करता है। असम के असमिया प्राण स्वरूप स्व. राधाकृष्ण खेमका का जन्म सन् 1917 में कलकत्ता स्थित अग्रवाल समाज के संभ्रांत परिवार रायबहादुर हरदत्त राय चमड़िया की कोठी में हुआ। उनके पितामह बीकानेर से असम के वाणिज्य शहर नाजिरा आए थे। खेमकाजी की शिक्षा तिनसुकिया में पूर्ण हुई। वे बचपन से ही निडर, देशप्रेमी, सत्यवादी थे। वे देश व समाज के लिए कुछ कर गुजरने का जूनून मन में लिए ही बड़े हुए थे।

सन् 1937-38 में मामा बृजमोहन मोदी की प्रेरणा से उन्होंने समाज के युवाओं को जोड़ते हुए पुस्तकालय की स्थापना की। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की प्रेरणा से उन्होंने खादी वस्त्र धारण करना शुरू किया था। गांधीजी के प्रथम तिनसुकिया दौरे के वक्त उन्होंने अपने घनिष्ठ मित्र परशुराम दत्त के साथ मिलकर उनके स्वागत एवं अभिनंदन के लिए सक्रिय रूप से कार्य किया था। गांधीजी के आदर्शों से प्रेरित होकर उन्होंने हरिजनों के विकास, जाति वर्ण विभेद, विधवा विवाह जैसी मुहीम चलाई थी। पर्दा प्रथा के उन्मूलन, दहेज का बहिष्कार, स्त्री-शिक्षा पर जोर, बिरादरी बहिष्कार का विरोध करने, छात्रावासों की स्थापना, लोगों में एकता का भाव जागृत करने, राजनैतिक चेतना का संचार करने में खेमका जी ने मुख्य भूमिका निभाई। वे इसके लिए जीवन भर श्रेय के पात्र रहे, लेकिन श्रेय के लोभ से वे सदैव दूर ही रहे। वे असम के तिनसुकिया विधानसभा क्षेत्र से 1957 एवं 1962 में विधायक चुने गए थे। राजनैतिक क्षेत्र में सक्रिय योगदान के लिए लोगों ने उनकी मुक्त कण्ठ से प्रशंसा की थी। उनकी कथनी व करनी में कोई अंतर नहीं था। उन्होंने अपनी कथनी के अनुसार परिवार और समाज के विरुद्ध जाकर विधवा से विवाह किया था। अपनी पहली पत्नी के देहांत के बाद सन् 1949 में खेमकाजी ने मध्य प्रदेश के बिलासपुर की विधवा कन्या कस्तूरी देवी से विवाह कर समाज के सामने एक आदर्श प्रस्तुत किया था।

सन् 1947 को पहली दफा ही वे कांग्रेस के उपाध्यक्ष नियुक्त हुए और दल के विभिन्न पदों पर आसिन होकर समाज के उत्थान के लिए कार्य किए। वे Indian Trade Union Congress में भी सक्रिय रूप से अपना योगदान देते रहे। असम के प्रथम मुख्यमंत्री स्व. गोपीनाथ बरदलै से लेकर स्व. शरतचंद्र सिन्हा से उन्हें स्नेह और सम्मान मिला। स्व. खेमकाजी अनेक शिक्षण संस्थाओं, महिला समितियों, असम साहित्य सभा, असम राष्ट्रभाषा प्रचार समिति, राष्ट्रीय हिन्दी पुस्तकालय, कांग्रेस, मारवाड़ी सम्मेलन जैसे न जाने कितनी ही संस्थाओं से जुड़े रहे। तिनसुकिया नगर उन्नयन संस्था और डिब्रुगढ़ जिला कॉरपोरेटिव शुगर मिल के अध्यक्ष पद पर रहकर उन्होंने कई महत्वपूर्ण कार्य किये, जो हमेशा स्मरणीय रहेंगे।

तिनसुकिया में आयोजित अखिल भारतीय राष्ट्रभाषा सम्मेलन की स्वागत सभा के मंत्रीत्व का दायित्व खेमकाजी को दिया गया था। वे असम के भूतपूर्व मुख्यमंत्री स्व० विमला प्रसाद चालिहा के अन्यतम मित्रों में से एक थे।

खेमकाजी ने स्वतंत्रता संग्राम में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया था। इस दौरान वे जेल भी गये तथा ब्रिटिश हुकुमत की पुलिस के डंडे भी खाए थे, जिसके निशान उनके सिर पर मृत्युपर्यन्त थे। असम में हर वर्ष बाढ़ आती है। बाढ़ के दिनों में खेमकाजी बाढ़ग्रस्त इलाकों में रह कर बाढ़ में फंसे लोगों की मदद करते थे।

उन्होंने सांस्कृतिक क्षेत्र में भी अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया। वे भारत रत्न स्व. भूपेन हजारिका और संगीतज्ञ स्व. गजानन वर्मा के सांस्कृतिक कार्यक्रमों में शामिल होते थे। असमिया साहित्य व संस्कृति के प्रति भी उनका गहरा अनुराग था तथा उनकी इच्छा थी कि श्रेष्ठ असमिया साहित्य का हिंदी में प्रचार हो। असम साहित्य सभा के वे आजीवन सदस्य थे। उनके प्रयत्नों से ही सन् 1976 में स्थानीय मारवाड़ी समाज की ओर से पहली बार रंगाली बिहु उत्सव का आयोजन किया गया था।

सन् 1977 में राधाबाबू गंभीर रूप से बीमार हुए। उन्हें इलाज के लिए वेल्लूर ले जाया गया। 28 दिसंबर को वेल्लूर में ही राधाकृष्ण जी ने अंतिम सांस ली। 29 दिसंबर को स्व० खेमका जी के पार्थिव शरीर को कलकत्ता लाया गया और वहां से 31 दिसंबर को विशेष विमान से तिनसुकिया लाया गया।

खेमकाजी हर समुदाय और भाषा-भाषी लोगों में समान रूप से प्रिय थे। यही कारण था कि वे तिनसुकिया से दो बार असम विधानसभा के सदस्य निर्वाचित हुए। उन्हें हम सही मायनो में असम के मारवाड़ी समाज का प्रथम सार्वजनिक व्यक्ति मान सकते हैं। उनके निधन से राजनैतिक, सामाजिक तथा आर्थिक जीवन पर, असम में एक शून्यता आई, जिसकी पूर्ति करना आसान काम नहीं। उनकी स्मृति समाज के लोगों के दिलों में हमेशा रहेगी तथा हमें प्रेरणा प्रदान करती रहेगी।

कंकना बरुवा गोगोई
संकलनकर्ता

KABRA

With Best Compliments from :

Kailash Kabra

R. K. Kabra Canvassing Agents

Brokers & Canvassing Agents

■ FOOD GRAINS ■ VANASPATI ■ PULSES ■ EDIBLE & NON EDIBLE OILS

"Kabra Bhawan", B. R. Phookan Road, Guwahati - 781009 (Assam)
Tel.: 0361-2600009, 2543950, 2730309, Mob.: 94357-08017, 94350-12539

Prakash Kabra

CMPL

CENTURY
Mercantile (P) Ltd.

General Merchant & Commission Agents

■ FOOD GRAINS ■ VANASPATI ■ PULSES ■ SUGAR ■ EDIBLE OILS

1st Floor, N. R. Bajoria Complex, 12, T. R. Phookan Road, Fancy Bazar, Guwahati - 781001
Tel. : 0361-2730072, 2732752, 2518525, Fax : 0361-2730072
Mob. : 98640-20787, 94017-37373, E-mail : cmpl_assam2004@yahoo.com